[illegible] (Fowless) का इस सम्बन्ध में विचार यह है कि "वैज्ञानिक पद्धति के सामान्य नियमों की खोज को लक्ष्य को प्राप्ति के हेतु प्रविधियों की एक व्यवस्था (System) है जो कि विभिन्न विज्ञानों में कई बातों में भिन्न-भिन्न होते हुए भी एक सामान्य प्रकृति (general character) को बनाए रखती है।" इस प्रकार श्री फाउलेस ने प्रविधियों की व्यवस्था (a System of techniques) को वैज्ञानिक पद्धति माना है और इस पद्धति का लक्ष्य सामान्य नियमों की खोज निकालना होता है। श्री फाउलेस ने इस बात पर बल दिया है कि वैज्ञानिक पद्धति को हर अवस्था में एक सा मान लेना गलत होगा। प्रत्येक विज्ञान की अपनी निजी आवश्यकता के अनुसार इस पद्धति में (अथवा प्रविधियों की अवस्था में) कुछ हेर-फेर हो जाना स्वभाविक है।

परन्तु श्री कार्ल पियर्सन (Karl Pearson) का कथन है कि वैज्ञानिक पद्धति विज्ञान की सभी शाखाओं में

Created By Sign Doc

एक-जैसी होती है। सभी विज्ञानों की एकता उसकी पद्धति में है, न केवल सामग्री में। वह व्यक्ति जो किसी भी तरह के तथ्यों (facts) का वर्गीकरण करता है, उनके पारस्परिक सम्बन्ध को देखता है तथा उनके अनुक्रमों (sequences) का वर्णन करता है, वह वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग कर रहा है और एक वैज्ञानिक है। ये तथ्य (facts) मानव के पिछले इतिहास से सम्बद्ध हो सकते हैं या हमारी महानगरियों की सामाजिक सांख्यिकी (आँकड़ों) से या अति दूर की ताराओं (stars) की दुनिया से। स्वयं तथ्य ही विज्ञान के निर्माता नहीं हैं, अपितु इन तथ्यों का अध्ययन करने के लिए जिस पद्धति का प्रयोग किया जाता है, वह पद्धति ही विज्ञान की निर्मात्री है।"

Created By Sign Doc